एक शाम बरसात के नाम

“लेखिका : कामिनी सक्सेना हम लोग जहां रहते हैं वो एक पुराना मुहल्ला है। पुराने टाईप के घर है, आपस में लगे हुए। लगभग सभी की छतें एक दूसरे से ऐसे लगी हुई थीं कि कोई भी दूसरे की छत पर आ जा सकता था। मेरे पड़ोस में कॉलेज के तीन छात्रों ने एक कमरा [...] ...”

Story By: (kaminirita)
Posted: Friday, December 30th, 2005
Categories: पड़ोसी
Online version: एक शाम बरसात के नाम

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

एक शाम बरसात के नाम

लेखिका : कामिनी सक्सेना

हम लोग जहां रहते हैं वो एक पुराना मुहल्ला है। पुराने टाईप के घर है, आपस में लगे हुए। लगभग सभी की छतें एक दूसरे से ऐसे लगी हुई थी कि कोई भी दूसरे की छत पर आ जा सकता था। मेरे पड़ोस में कॉलेज के तीन छात्रों ने एक कमरा ले रखा था। तीनों ही शाम को छत पर मेरे से बातें करते थे, हंसी मजाक भी करते थे। उन तीनों लड़कों को देख कर मेरा मन भी ललचा जाता था कि काश ये मुझे चोदते और मैं खूब मजे करती। कभी कभी तो उनके सपने तक भी आते थे कि वो मुझे चोद रहे हैं। कभी कभी मौसम अच्छा होने पर वो शराब भी पी लेते थे, मुझे भी बुलाते थे चखने के लिये ... पर मैं टाल जाती थी।

मेरे पति धन्धे के सिलसिले में अधिकतर मुम्बई में ही रहते थे। घर पर सास और ससुर जी ही थे। दोनों गठिया के रोगी थे सो नीचे ही रहा करते थे। आज मौसम बरसात जैसा हो रहा था। मैंने एक बिस्तर जिस पर मैं और मेरे पति चुदाई किया करते थे, उसे बरसात में धोने के लिये छत पर ले आई थी। उस पर लगा हुआ वीर्य, पेशाब के दाग, क्रीम, और चिकनाई जो हम चुदाई के समय काम में लाते थे, उसके दाग थे, वो सभी मैं बरसात के पानी से धो देती थी। ऊपर ठण्डी हवा चल रही थी। शाम ढल चुकी थी। अन्धेरा सा छा गया था।

ठण्डी हवा लेने के लिये मैंने अपनी ब्रा खोल कर निकाल दी और नीचे से पेन्टी भी उतार दी। अब चूत में और चूंचियो में वरन सारे शरीर में ठण्डी हवा लग रही थी। दूसरी छत पर तीनों लड़के बण्टी, नीटू और चीकू दरी पर बैठे हुये शराब की चुस्कियाँ ले रहे थे।

“अरे कामिनी दीदी आओ, देखो कितना सुहाना मौसम हो रहा है !” बण्टी ने मुझे पुकारा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“नहीं बस, मजे करो तुम लोग, चीकू, बधाई हो, 80 पर्सेन्ट नम्बर आये हैं ना !” मैंने चीकू को बधाई दी।

“दीदी आओ ना, मिठाई तो खा लो !” चीकू ने विनती की।

मैं मना नहीं कर पाई और उनके पास चली आई। मिठाई थोड़ी सी थी जो उन्होंने मुझे दे दी। मैं मिठाई खाने को ज्योंही झुकी मेरे बोबे उन्हें नजर आ गये। अब वो तीनों जानबूझ कर मेरी चूंचियां झांक कर देखने कोशिश करने लगे। मैंने तुरंत भांप लिया कि वो क्या कर रहे हैं। पर मौसम ऐसा नशीला था कि मेरा मन मैला हो उठा। उन तीनों के लण्ड के उठान पर मेरी नजर पड़ गई। उनके पजामे तम्बू की तरह धीरे धीरे उठने लगे। मुझे बड़ा अच्छा लग रहा था।

“दीदी, हमारे बीच में आ जाओ और बस चीकू के नाम एक पेग !”

मैंने इसे शुरुआत समझी और बण्टी और चीकू के बीच में बैठ गई। इसी बीच चीकू ने मेरे चूतड़ पर हाथ फ़ेर दिया। मैंने उसे जान करके ध्यान नहीं दिया। पर एक झुरझुरी आ गई।

“लो दीदी, एक सिप … “

“नहीं पहले मैं दूंगा … ।”

दोनों पहल करने लगे और उनका जाम छलक गया और मेरे कपड़ो पर गिर गया। चीकू ने तुरन्त अपना रुमाल लेकर मेरी छाती पोंछने लगा। बन्टी कहां पीछे रहने वाला था, उसने भी हाथ मार ही दिया और मेरी चूंचिया दब गई। मेरे मुख से हाय निकल गई।

मैंने भी मौका जानकर अपना हाथ चीकू के लण्ड पर रख दिया और दबाते हुई बोली,” अरे बस करो, मैं साफ़ कर लूंगी … ” और उसका लण्ड छोड़ दिया। तभी बारिश होने लगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चीकू समझ नहीं पाया कि लण्ड को जानकर के पकड़ा था या नहीं।

“चलो चलो अन्दर आ जाओ … ।” चीकू ने कहा।

हम काफ़ी भीग चुके थे, मेरा ब्लाऊज भी चूंचियो से चिपक गया था। सफ़ेद पेटीकोट भी चिपक कर पूरा गाण्ड का नक्शा दर्शा रहा था। पर मेरे मन में तो आग लग चुकी थी, बरसात भली लग रही थी। जैसे ही मैं खड़ी हुई तीनों मुझे बेशर्मी से घूरने लगे। मैं दीवार को लांघ कर अपनी छत पर आ गई और झुक कर बिस्तर धोने लगी। मैंने देखा कि तीनों अन्दर जा चुके थे। अन्दर की आग धधक उठी थी। हाथ से चूत दबा ली और मुख से हाय निकल पड़ी। मैं ब्लाऊज के ऊपर से ही अपनी चूंचियाँ मलने लगी। मेरा पेटीकोट पानी के कारण चिपक गया था। बरसात तेज होती जा रही थी। मेरा बदन जल रहा था। ठन्डा पानी मुझे मस्त किये दे रहा था।

इतने में मुझे लगा कि दीवार कूद कर कोई आया, देखा तो चीकू था।

“दीदी मैं धोने में मदद कर देता हूँ …!” और बिस्तर धोने लगा। अन्धेरे का फ़ायदा उठा कर उसने मेरा हाथ पकड़ लिया।

“अरे छोड़ ना … ” पर उसने मुझे अपनी तरफ़ खींच लिया, और एक कोने में आ गया।

“दीदी, तुम कितनी अच्छी हो, बस एक किस और दे दो … ” मुझ पर अपने शरीर का बोझ डालते हुए चिपकने लगा। मैं कांप उठी, जिस्म कुछ करने को मचल उठा। इतने जवान लड़के को मैं छोड़ना नहीं चाह रही थी। मेरे होंठ थरथरा उठे, वो आगे बढ़ आया … उसके होंठ मेरे होंठो से चिपकने लगे। अचानक ही चीकू ने मेरे जिस्म को भींच लिया। मेरे बोबे उसकी छाती से दब कर मीठी टीस से भर उठे। उसके लण्ड का स्पर्श मेरी चूत के निकट होने लगा। मैंने भी अपनी चूत उसके लण्ड पर सेट करने लगी, और अब लण्ड मेरे

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बीचोबीच चूत की दरार पर लगने लगा था।

“चीकू, बस अब हो गया ना … चल हट !” बड़े बेमन से मैंने कहा। पर जवाब में उसने मेरे बोबे भींच लिये और मेरा ब्लाऊज खींच लिया। उसने मेरे बोबे दबा कर घुमा दिये।

“दीदी, ये मस्त कबूतर ! इनकी गरदन तो मरोड़ने दो …!” मेरे मुख से हाय निकल पड़ी, एक सीत्कार भर कर उसका लण्ड पकड़ कर खींच लिया।

“चीकू, ये मस्त केला तो खिला दे मुझे … अब खुजली होने लगी है !” मेरे मुख से निकल पड़ा और चीकू ने मेरा पेटीकोट उठा दिया। उसने अपना पजामा भी उतार दिया। मुझे उसने धक्का दे कर गीले बिस्तर पर लेटा दिया और भीगता हुआ मेरी चूत के पास बैठ गया। मैंने अपनी दोनों बाहें खोल दी।

“आजा … चीकू … हाय जल्दी से आजा …!” उसने उछल कर अपनी पोजीशन ली और दोनों हाथ से मेरे बोबे भींच लिये और लण्ड को भीगती हुई चूत पर रख दिया और मेरे ऊपर लेट गया।

“लगा ना … अब प्लीज … अब मजा दे दे … ” मैंने उसे चोदने का निमन्त्रण दिया और मेरे बदन में ठण्डे पानी के बीच उसका गरम लौड़ा मेरे जिस्म में समाने लगा। मैं भी चूत ऊपर की ओर दबा कर पूरा लण्ड घुसेड़ने की कोशिश करने लगी … हाय रे … अन्दर तक बैठ गया। मन में आग पैदा होने लगी। जिस्म जलने लगा। बारिश आग लगाने लगी। हम दोनों जल उठे, गीला बदन … लण्ड पूरा अन्दर तक चूत की मालिश करता हुआ … मस्त करता हुआ … जिस्म एक दूसरे में समाने लगे। दोनों नंगे … उभारों को दबाते और मसलते हुए मस्त हो गये। धक्के और तेज हो गये …

“मजा आ गया बारिश का, चोद रे … जी भर के लगा लौड़ा … आज तो फ़ाड़ दे मेरी … “

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“हां दीदी, तेरी तो मस्त चूत है … गीली और चिकनी !”

“हाय रे तेरे टट्टे, मेरी गाण्ड को थपथपा रहे है … कितना सुहाना लग रहा है … !”

“चुद ले, जोर से चुद ले … फिर पता नहीं मौका आये या ना आये … ” जोश में उसकी कमर इंजन की तरह चलने लगी। मैं चुदती रही … मन की हसरतें निकलती गई … मैं चरम बिन्दु पर पहुंचने लगी … जिस्म में कसावट आने लगी। लग रहा था कि सारा खून और सारा रस खिंच कर चूत की तरफ़ आ रहा हो …

“आईईई … मर गई … हाऽऽऽऽऽय मेरी मां … चोद दे जोर से … लगा लौड़ा … सीस्स्स्स्स्स्सीईईईऽऽऽऽ … मेरी चूत रे … ” और सारा रस चूत के रास्ते बाहर छलक पड़ा। मैं झड़ने लगी थी। उसका लण्ड चलता रहा और मैं निढाल हो कर पांव फ़ैला कर चित लेट गई। बरसात का पानी मुझे ठण्डा करने लगा। चीकू ने अपना लण्ड बाहर खींच लिया और मुठ मारने लगा और एक जोर से पिचकारी छोड़ दी … मेरे पेट पर एक बरसात और होने लगी … रुक रुक कर … चिकने पानी की बरसात … और आकाश वाले बरसात के पानी से सभी कुछ धुल गया। बरसात अभी भी तेज थी। चीकू अब उठ खड़ा हुआ। उसका लौड़ा नीचे लटकता हुआ झूल रहा था। मैंने अपनी आंखें बरसात की तेज बूंदों के कारण बन्द कर ली।

अचानक मुझे लगा कि मेरे बदन को किसी ने खींच लिया। दूसरे ही पल एक कड़क लण्ड मेरी गाण्ड से चिपक गया।

“दीदी, प्लीज … करने दो … ” इतने में एक और कड़क लण्ड मेरे मुँह से रगड़ खाने लगा और मैंने उसे मुंह में भर लिया।

“दीदी चूस लो मेरे लण्ड को … ” ये बण्टी की आवाज थी। ऊपर वाले ने मेरी सुन ली थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तीनों अपना कड़क लण्ड लिये मेरी सेवा में हाज़िर थे। चीकू फिर से तैयार था, उसका लण्ड कड़क हो चुका था। चीकू मेरी गाण्ड चोदने वाला था।

“हाय … चीकू धीरे से … ” चीकू का लण्ड गाण्ड के फूल को छू चुका था। मेरी गाण्ड लपलपाने लगी थी। बरसात से गांड का फूल चिकना हो रहा था।

“दीदी घुसेड़ दू लण्ड … ? ” चीकू फूल को दबाये जा रहा था। छेद कब तक सहता उसने अपने पट खोल दिये और लण्ड गाण्ड में घुस गया।

“आ जा नीटू, मेरी छाती से लग जा … ” नीटू को मैंने छाती से दबा लिया और उसका लण्ड अपनी चूत पर रख दिया। मेरी चूत फिर से पानी छोड़ रही थी। मैंने अपनी टांगे खोल कर नीटू पर रख दी। लण्ड को खुला रास्ता मिल गया और चूत में उतरता चला गया।

मैंने चीकू से कहा,” लण्ड निकाल और मेरी पीठ पर आ जा। मैंने नीटू को लण्ड समेत अपने नीचे दबा लिया और लण्ड पूरा चूत में घुसा लिया। चीकू ने पीछे से आकर मेरे चूतड़ों की फ़ांको को चीर कर फिर से छेद में लण्ड घुसेड़ दिया। बण्टी ने फिर से अपना लण्ड मेरे मुख में घुसा डाला।

“आह … मजा आ गया … अब चलो, चोद दो मुझे … लगाओ यार … पेल डालो !” मुझे मस्ती आने लगी। आज तो तीन तीन लण्ड का मजा आ रहा था। मौसम भी मार रहा था … बरसात की तेज बौछार … वासना की आग को और तेज करने लगी थी। बन्टी ने तभी मुँह से लौड़ा निकाला और मेरे चेहरे पर पेशाब करने लगा।

“पी ले दीदी … पी ले … मजा आ जायेगा !” मैंने अपना मुँह खोल दिया और पेशाब की तेज पिचकारी आधी मुँह में और आधी चेहरे पर आ रही थी। नमकीन पेशाब मस्त लग रहा था। नीटू और चीकू चोदने लगे थे। जोरदार धक्के मार रहे थे। मैं भी अपनी कमर हिला

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हिला कर मस्त हुई जा रही थी।

“दीदी कितनी टाईट है आपकी गाण्ड … मैं तो गया हाय !” और चीकू हांफ़ता हुआ झड़ने लगा। लण्ड बाहर निकाल कर वीर्य को बरसात में धो दिया और मेरी पीठ पर पेशाब करने लगा।

“दीदी मैं भी आया … ” और बण्टी ने भी पिचकारी छोड़ दी।

मैं भी अब अपने दोनों पांव खोल कर बैठ गई।

“आ जाओ मेरे जिगरी … किस को मेरा पेशाब पीना है और मैंने अपनी पेशाब की धार निकालनी चालू कर दी। बण्टी तुरन्त मेरे आगे लेट गया और मेरे पेशाब को अपने मुंह में भरने लगा। चीकू को मैंने खींच कर बाल पकड़ कर चूत से चिपका लिया और धार अब उसके होंठों को तर कर रही थी … गट गट करके दो घूंट वो पी गया … नीटू जब तक इन दोनों को धक्का देता … मेरा पेशाब पूरा निकल चुका था। पर उसने छोड़ा नहीं, अपना मुंह मेरी चूत से चिपका कर अन्दर तक चाट लिया। मुझे चीकू ने पास में खींच कर मुझे लेटा लिया … अब हम चारों एक ही बिस्तर पर आड़े तिरछे लेटे हुये, तेज बरसात की बौछारों का मजा ले रहे थे … ।बहुत ही मजा आ रहा था। बरसात और फिर तीन जवान लण्डो से चुदाई। मन में शांति हो गई थी।

बरसात की बूंदें बोबे पर और उन जवान लौड़ो पर गिर रही थी। ठंडी हवा शरीर को सहलाने लगी थी। इच्छायें फिर जागने लगी। बरसात फिर शरीर में चिन्गारियाँ भरने लगी … और एक बार और वासना उमड़ पड़ी। सोये हुए शेर फिर जाग उठे … ।उनके तने हुए लण्ड देख कर मैं एक बार फिर तड़प उठी। लाल लाल लौड़ों ने फिर खाई में छ्लांग लगा दी … और सीत्कारें निकल उठी। इस बार सभी का निशाना मेरी प्यारी गाण्ड थी। एक के बाद एक तीनों लण्डों ने मेरी खूब गाण्ड मारी … और मैं मजा लूटती रही … ।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आप पाठकगणों को कभी ऐसी बरसात में चोदने या चुदाने का मौका मिल जाए तो मुझे भी याद करना ...

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

दोस्त की माँ की चूत मारी

नमस्कार दोस्तो, मैं आप का जाना पहचाना नवदीप, एक बार फिर आपके सामने एक नई कहानी लेकर आया हूँ यह कहानी बिल्कुल सच्ची है.. जो कि मेरी ज़िंदगी में घटी है। इस कहानी में मेरी हीरोइन है मेरे दोस्त की […]

Full Story >>>

पड़ोसन भाभी की चूत की प्यास नहीं बुझ पाती

मेरा नाम कुमार है, पूना में रहता हूँ, मेरी उम्र 22 साल है। मैं अन्तर्वासना का एक नियमित पाठक हूँ। अब मैं कहानी पर आता हूँ। मेरे घर के पास एक भाभी रहती हैं.. उनका नाम अनीता है, वे देखने […]

Full Story >>>

मुंहफ़ट पड़ोसन कोमल की चूत चुदाई -2

अब तक आपने पढ़ा.. मैंने कोमल को बिस्तर पर सीधा लिटाया और उसकी दोनों टाँगें चौड़ी करके जो चूत का नजारा देखा.. क्या मस्त लग रहा था.. जैसे किसी कुंवारी लड़की की चूत हो। अब आगे.. मैंने उसकी चूत पर […]

Full Story >>>

मैं अपने जेठ की पत्नी बन कर चुदी -15

अन्तर्वासना के पाठकों को आपकी प्यारी नेहारानी का प्यार और नमस्कार। अब तक आपने पढ़ा.. हम दोनों की वासना का सैलाब आकर जा चुका था। सुबह से मेरी प्यासी चूत को राहत मिल चुकी थी। तभी मुझे संतोष का ध्यान […]

Full Story >>>

मुंहफ़ट पड़ोसन कोमल की चूत चुदाई -1

दोस्तो, मैं हरियाणा का हूँ, मैं 33 वर्षीय कोई हट्टा-कट्टा या छह या सात फीट वाला आदमी नहीं हूँ। मेरा कद पांच फुट छः इंच है तथा मैंने अपने लिंग को कभी नापा नहीं है.. लेकिन इतना कह सकता हूँ […]

Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

[Pinay Sex Stories](#)

Araw-araw may bagong sex story at mga pantasya.

[FSI Blog](#)

Every day FSIBlog.com brings you the hottest freshly leaked MMS videos from India.

[Delhi Sex Chat](#)

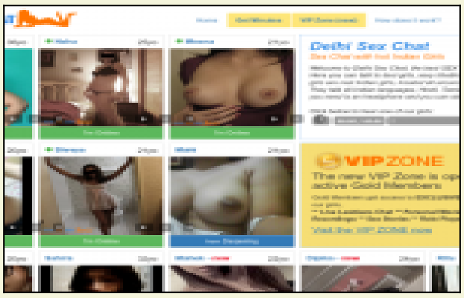

Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

[Suck Sex](#)

Suck Sex is the Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action. Watch out for desi girls, aunties, scandals and more and IT IS ABOLUTELY FREE!

[Urdu Sex Videos](#)

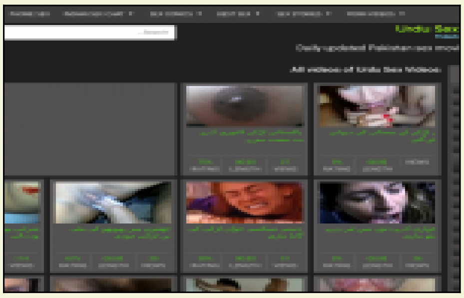

Daily updated Pakistani sex movies and sex videos.

[Antarvasna Gay Videos](#)

Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun. Here you will find guys sucking dicks and fucking asses. Meowing with pain mixed with pleasures which will make you jerk you own dick. Their cums will make you cum.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire